श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल,
राजस्थान का उद्‌बोधन

आपातकालिक अनुक्रिया समूह शुभारंभ समारोह

दिनांक 10 अगस्त, 2020 **समय दोपहर : 12.00 बजे**

स्थान : राजभवन, जयपुर

श्री हरिशंकर सिंह जी, महासचिव, महामना मालवीय मिशन (राष्ट्रीय इकाई, नई दिल्ली), प्रो. सिद्धनाथ उपाध्याय, अध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन (ग्रामीण इकाई, वाराणसी) एवं पूर्व निदेशक प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र, महासचिव, महामना मालवीय मिशन (ग्रामीण इकाई, वाराणसी) एवं समन्वयक मालवीय उद्यमिता संवर्धन केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), श्री मुनीश बिंदल, उपाध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन (ग्रामीण इकाई, वाराणसी) एवं अध्यापक राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान, प्रो. देवेन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन (देहरादून), श्री बिम्लेंद्र झा, अध्यक्ष, MECHI फाउंडेशन, मुंबई, डॉ. विद्या सागर पाण्डेय, अध्यक्ष, संजीवनी वेलफेयर सोसाइटी, अभिभावकगण, छात्र–छात्राओ, भाइयो और बहिनो।

मुझे यह अपार सुख एवं प्रसन्नता देने वाली जानकारी है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पुरा–छात्रों–छात्राओं तथा महामना के मानस पुत्रों द्वारा स्थापित महामना मालवीय मिशन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बी.एच.यू.) के पूर्व–छात्रों का एक विश्वव्यापी संगठन है जिसका पंजीकरण 1978 में एक सामाजिक संस्था के रूप में किया गया है, तथा इसकी शाखाएं पूरे देश में हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पुरा–छात्रों एवं महामना के आदर्शों एवं नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों में विश्वास करने वालों द्वारा संचालित यह मिशन अपनी विभिन्न सेवा परियोजनाओं, शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से महामना के मूल्यों और विचारों को प्रचारित करने में प्रयासरत हैं, जो आज की परिस्थिति में भारतीय समाज के नैतिक ताना–बाना को और अधिक सक्षम एवं सुदृढ़ बनाने के लिये समीचीन है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि महामना मालवीय मिशन आधुनिक युग की कोविड–19 जैसी समस्याओं के निराकरण हेतु भी तत्पर है। इस हेतु महामना मालवीय मिशन (ग्रामीण इकाई, वाराणसी) ने युवाओं को जोड़ने तथा उनकी ऊर्जा एवं रचनात्मक शक्ति का समाज कल्याण के लिये उपयोग करने का कार्यक्रम प्रारंभ करने का कार्यक्रम बनाया है।

मिशन की ग्रामीण इकाई द्वारा संगठित किये जाने वाले आपातकालिक अनुक्रिया समूह, (Emergency Response Team) ऐसे समूह हैं, जिनका उद्देश्य प्राकृतिक औए मानवजनित राष्ट्रीय आपातिक स्थितियों से निपटने के लिए देश भर के अनुभवी प्राचार्यों एवं व्यावसायिक व्यक्तियों के मार्गदर्शन में युवा छात्रों की अपार ऊर्जा तथा रचनात्मक क्षमता का उपयोग करना है।

यह सराहनीय है कि इस समूह में छात्रों के परिजनों को भी सम्मिलित करने की योजना है। आपातकालिक अनुक्रिया समूह का गठन एक तरह का सामाजिक अभियांत्रिकीय प्रयास है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं की रचनात्मक क्षमता का उपयोग आपातिक स्थितियों से निपटना है, साथ ही प्रदेश एवं केंद्र स्तर के सम्बंधित विभागों से सहयोग करना है।

इन समूहों के सदस्यों को आपदा–प्रबंधन क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा प्राचार्यों द्वारा आपदा निराकारण हेतु अपनायी जाने वाली मानक संचालन प्रक्रियाओं और आपदा–प्रबंधन के विभिन्न आयामों में प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे आपातिक स्थिति में वे दूसरों की मदद करने के योग्य हो सके, साथ ही अन्य लोगों को प्रेरित तथा प्रशिक्षित भी कर सकें। प्रारंभ में इन समूहों के सदस्यों का उपयोग कोविड–19 की महामारी से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण के लिये किया जा रहा है।

इनके अनुभव का उपयोग बाढ़, अकाल, भूकंप, भू–स्खलन, प्रदूषण जैसी अन्य समस्याओं के अतः दुष्प्रभावों के निराकरण के लिये भी अच्छी तरह से किया जा सकता है। इन समूहों में कार्य करने से छात्रों और स्वयंसेवकों में मानवीय मूल्यों की भावना को विकसित करने में भी मदद मिलेगी। श्री मुनीश बिंदल के नेतृत्व में कोटा परियोजना के अंतर्गत आपातकालिक अनुक्रिया समूह की वृहद् श्रंखला बनायी जा चुकी है। कोविड–19 की आपदा के समय इस टीम ने चिकित्सा एवं भोजन की त्वरित सहायता देने का उत्तम कार्य कराया।

प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र के नेतृत्व में महामना मालवीय मिशन की वाराणसी परियोजना के अंतर्गत ऑल इंडिया रोटी बैंक ट्रस्ट (श्री किशोर कान्त तिवारी एवं श्री रोशन पटेल) के साथ मिल कर कोरोना काल में 24 मार्च, 2020 से नित्य 1500 से अधिक भूखे लोगों को भोजन की व्यवस्था करायी गयी।

यह कार्य आज भी कम्युनिटी किचन के रूप में चल रहा है। मिशन की मदद से रोटी बैंक को प्रौद्योगिकी संस्थान के केमिकल इंजीनियरिंग के 1991 के स्नातक अमेरिकावासी श्री मनु टंडन ने 3 लाख रुपये की एक स्वचालित रोटी बनाने वाली मशीन भी उपलब्ध करायी, ताकि ओर अधिक लोगों को भोजन की व्यवस्था हो सके।

डॉ. विद्या सागर पाण्डेय के नेतृत्व में संजीवनी वेलफेयर सोसाइटी ने वाराणसी एवं आस–पास के जिलों में कमजोर वर्ग एवं दिव्यंगों के स्वास्थ्य की जाँच के क्षेत्र में काफी अभिनव कार्य किया है।

मिशन की यह इकाई, काशी–कथा के साथ मिलकर वाराणसी के प्राचीन मंदिरों और सांस्कृतिक धरोहरों को संग्रहीत कर के प्रचार–प्रसार करने के साथ तालाबों के संरक्षण पर

महती कार्य कर रही है। इसके साथ ही इसने पर्यावरण–संरक्षण एवं ग्रामीण रोजगार की दिशा में छात्रों के साथ मिलकर सराहनीय कार्य किया है।

शांति विद्या फाउंडेशन के माध्यम से कमजोर वर्ग के छात्राओं को छात्रवृत्ति भी उपलब्ध करायी जाएगी साथ ही उनके आत्मनिर्भरता के प्रयास किये जा रहे हैं।

मालवीय उद्यमिता संवर्धन केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) के अंतर्गत छात्रों को उचित प्रशिक्षण एवं कौशल विकास द्वारा उद्यमिता के लिये प्रेरित किया गया है।

इसी केंद्र के तहत जाल्हुपुर (चौबेपुर, वाराणसी), रामनगर (वाराणसी) एवं शक्तेशगढ़, चुनार, मिर्जापुर में केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं, जिसमे ग्रामीणों तथा वनवासी लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते उन्हें प्रशिक्षित करने और विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

इसी क्रम में महामना मालवीय मिशन के तत्वाधान में उत्तराखंड में परियोजनाओं को शुरू करने हेतु डॉ देवेन्द्र भसीन, श्री दान सिंह रावत एवं महावीर प्रसाद कुकरेती प्रयासरत हैं। इन सभी महानुभावों का प्रयास एवं अब तक का कार्य प्रशंसनीय और अनुकरणीय है ।

मुझे विश्वास है की देश के अलग–अलग क्षेत्रों एवं विदेशों में फैले महामना के मानस पुत्रों के ऐसे अनेक समूह होंगे, जो महामना के आदर्शों एवं मूल्यों के आधार पर पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों में अपने–अपने प्रयासों से मानव–कल्याण तथा प्रकृति के संरक्षण के कार्यक्रमों को संचालित कर रहे होंगे।

मैं आप सभी से इस अवसर पर यह आग्रह करता हूँ कि इन सभी को अपनी इस नवगठित श्रंखला से जोड़ने का प्रयास करें।

भगवान् शिव एवं मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम से मेरी यही प्रार्थना है कि वे आप सभी को शक्ति एवं सामर्थ्य दें कि आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

मैं इस पुनीत कार्य के श्रीगणेश के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अत्यंत प्रसन्न हूँ तथा आप सभी के प्रयास की सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद।

जयहिन्द।